पिछली आपदाओं से नहीं लिया सबक

पारंपरिक रिश्ते कायम करें तो बात न बिगड़े : बछेंद्री पाल

अमर उजाला ब्यूरो

उत्तरकाशी। हर बार आपदाओं में भारी तबाही के बावजूद लोग हिमालय को समझने को राजी नहीं हैं। जल, जंगल, जमीन, पहाड़, प्रकृति से पारंपरिक आत्मीय रिश्ते कायम रखकर ही आपदाओं में होने वाले नुकसान से बचते हुए विकास की ओर बढ़ा जा सकता है। तथाकथित पर्यावरणविद् प्राकृतिक बदलावों के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए पर्वतारोहण पर रोक लगाने की मांग करते हैं, लेकिन वे यह नहीं जानते कि महज चोटियों पर फतह करना नहीं बल्कि पहाड़ व प्रकृति को नजदीक से समझ कर विपरीत

स्थितियों से जूझने की ताकत देता है पर्वतारोहण।

यह कहना है एवरेस्ट पर सफल आरोहण करने वाली प्रथम भारतीय महिला सुश्री बछेंद्री पाल का। अपने गृह जनपद उत्तरकाशी में प्राकृतिक आपदा में हुई तबाही के पीछे छिपे कारणों को जानने निकली बछेंद्री का कहना है कि आपदाएं तो पहले भी आती थीं, लेकिन इस कदर तबाही नहीं मचाती थीं। बीते कुछ सालों में हर बार आपदा के बाद एक जैसा ही मंजर देखने को मिल रहा है, लेकिन फिर भी कोई सबक लेने को राजी नहीं। पहाड़ से पहाड़वासियों की पहले जैसी आत्मीयता व समझ नहीं रह गई है। यह चिपको आंदोलन की गौरा देवी को याद करने व उनके कार्यों से सीख लेने का समय है। पहाड़ एवं पहाड़वासियों के हितों को देखते हुए अलग उत्तराखंड तो बना, लेकिन अभी तक यहां की स्थितियों के अनुरूप विकास का खाका तैयार नहीं हो पाया है। पहाड़ के बच्चे-बच्चे को यहां के अनुरूप ढालने को यहां के रहन-सहन, भौगोलिक स्थिति, समृद्ध परंपराओं को स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया ि टीम में शामिल प्रेमलता अग्रवाल, हेमंत, ललित पंवार, प्रवीण रावत, कृपाल व कोश्यारी के साथ वे पिलंग, जौड़ाववव डिडसारी गांव पहुंचकर सही सूचनाएं जुटाने के साथ तबाही के कारणों को टटोलने का प्रयास करेंगी।

अंग्रेजों से भी सीख लेने की जरूरत

पाल बताती हैं कि उनके पिता कहते थे कि हमें अंग्रेजों से भी सीख लेनी चाहिए। वे हर मामले में गलत नहीं थे, उनके पास विकास की एक सोच थी। तब जंगलों में आग लगने पर वे हर घर से एक-एक व्यक्ति को साथ लेकर इस पर काबू पाते थे। पहाड़ सब जगह एक जैसे हैं, लेकिन यूरोप आदि देशों के पहाड़ ऐसी आफत नहीं बरसाते। इसका अध्ययन कर विकास का ढांचा तैयार करने की जरूरत है।

(जैसा उत्तरकाशी में वेद विलास उनियाल को बताया)